श्री केदारनाथ आरती

जय केदार उदार शंकर, मन भयंकर दुःख हरम्

गौरी गणपति स्कन्द नन्दी, श्री केदार नमाम्यहम्
शैल सुन्दर अति हिमालय, शुभ्र मन्दिर सुन्दरम्
निकट मंदाकिनी सरस्वती, जय केदार नमाम्यहम् ।
उदक कुंड है अगम पावन, रेतस कुंड मनोहरम् ।
हंस कुण्ड समीप सुन्दर, जय केदार नमाम्यहम् ।

अन्नपूर्णा सह अपर्णा, काल भैरव शोभितम् ।
पंच पांडव द्रोपदी सह, जय केदार नमाम्यहम् ।
शिव दिगम्बर भस्म धारी, अर्द्धचन्द्र विभूषितम् ।
शीश गंगा कण्ठ फणिपति, जय केदार नमाम्यहम् ।
कर त्रिशूल विशाल डमरू, ज्ञान गान विशारदम् ।
महेश्वर श्री तुंग ईश्वर, रुद्र कल्प महेश्वरम् ।
पंच धन्य विशाल आलय, जय केदार नमाम्यहम् ।
नाथ पावन अति विशालम्, पुण्यप्रद हर दर्शनम् ।
जय केदार उदार शंकर, पाप ताप नमाम्यहम् ।